श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 16 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 नवम्बर 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार झरडाजी (डोरडा) में जिनबिम्ब प्रवेश विधि सम्पन्न

प्राचीन साँचा श्री सुमतिनाथजी

उदयपुर, (स. सं),

भीनमाल उपखण्ड क्षेत्र के डोरडा ग्राम से 8 कि.मी. दूर गिरिपर्वतमालाओं से आच्छादित एवं वनराजि से सुशोभित तथा भीनमाल-जसवन्तपुरा रोड़ पर विद्यमान श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार परिसर में नूतन निर्मित श्री जिनमन्दिर में अतिप्राचीन श्री सुमतिनाथ जिन बिम्ब प्रवेश विधि धन्यत्रयोदशी के शुभ दिन प्रातः 9.15 बजे सानन्द हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुई।

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं योगिराज, कृपासिन्धु गुरुदेवश्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न प्रवचनकार, माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की मंगल-प्रेरणा से श्री राजेन्द्र-शान्ति जैनोदय ट्रस्ट द्वारा संस्थापित श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार में प्रतिवर्ष जीरावला तीर्थ से भीनमाल जाते समय सैकड़ों श्रमण-श्रमणिवृन्द के वैयावच्च का लाभ प्राप्त होता है। इस विहारधाम में जिनमन्दिर निर्माण हेतु विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. की सद्प्रेरणा से भीनमाल निवासी श्रेष्ठिवर्यश्री रमेशकुमारजी, कोलचन्दजी, लालचन्दजी बाफना की पुण्य स्मृति में श्रीमती मन्जूदेवी रमेशकुमारजी बाफना के स्वद्रव्य से जिनमन्दिर बनवाया।

आचार्यदेवश्री द्वारा प्रदत्त मुहूर्त में प्रतिमा ले जाते बाफना परिवार

विहारानुक्रम से पधारने वाले सभी मुनिजनों के दर्शन-वन्दन के लाभ के उद्देश्य से आरसपत्थर का शिखरबद्ध जिनमन्दिर का निर्माण करवाया गया। महाराजा श्री सम्प्रति कालीन अतिप्राचीन साँचा श्री सुमतिनाथ परमात्मा की 17'' प्रतिमाजी श्री जोगीवाड़ा जैन मन्दिर पाटण से प्राप्त हुई।

सा. श्री प्रीतिदर्शनाश्रीजी म.सा. की निश्रा में भव्य प्रवेश

साँचा श्री सुमतिनाथ प्रभु की प्रतिमा को प्रवेश करवाने के लिए अतिप्राचीन श्री माण्डवपुर महातीर्थ से दिनांक 3 नवम्बर 2018 को विजय मुहूर्त में लेकर प्रस्थान किया। दोपहर तीन बजे भीनमाल पहुँचने पर श्री महावीर चौराहा पर भव्य सामैयापूर्वक वधावकर श्री महावीरजी मन्दिर में ले जाई गई। 4 नवम्बर 2018 को श्री महावीरजी मन्दिर में दोपहर जालोर जिला कलेक्टर श्री बी. एल. कोठारी एवं परिजनों द्वारा श्री शक्रस्तव अभिषेक श्रीसंघ के साथ विधिपूर्वक किया गया। सायं प्रभु भक्ति का अनुपम आयोजन संगीत की कर्णप्रिय स्वरलहरियों के साथ किया गया। श्री राजेन्द्रसूरि जैन पाठशाला के बालकों ने पूजन किया। इस प्रसंग पर भीनमाल नगर में चातुर्मासार्थ बिराजित पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी विदुषी साध्वीश्री प्रीतिदर्शनाश्रीजी म. सा. आदि श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा रही।

जिला कलेक्टर व मन्दिर निर्माता परिजन श्री शक्रस्तव अभिषेक करते हुए

श्री राजेन्द्रसूरि जैन पाठशाला के बालक पूजा करते हुए

दिनांक 5 नवम्बर 2018 को धन्यत्रयोदशी सोमवार के शुभ दिन प्रातः शुभवेला में साँचा श्री सुमतिनाथजी को जीपरथ में बिराजमान कर श्री महावीरजी मन्दिर से अनेक वाहनों के साथ शोभायात्रा प्रारम्भ हुई जो रेल्वे स्टेशन मातरपोल, कोडीटा, मणथर पावली होते हुए झरडाजी स्थित श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार (डोरडा) पहुँची। तीर्थ परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार पर अक्षत की गहुँली कर वधामणा किए गए।

मुख्य प्रवेश द्वार से परिसर में प्रवेश

विधिविधान अनुसार पुंखना करवा कर नूतन निर्मित जिनमन्दिर में प्रातः सवा नौ बजे मूल गर्भगृह में परमात्मा का प्रवेश करवाया गया। भीनमाल से आए हुए महिला मण्डल ने श्री स्नात्र-पूजा पढ़ाई। श्री मूलचन्दजी सम्पतराजजी शाहजी परिवार की ओर से अन्त में सभी को प्रभावना वितरीत की गई। पधारे हुए समस्त अतिथियों को अल्पाहार करवाया गया।

साँचा श्री सुमतिनाथजी के प्रवेश पश्चात् श्री मूलचन्दजी शाहजी एवं श्रीमती मन्जूदेवी श्री रमेशकुमारजी बाफना दर्शन करते

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में श्री गौतमस्वामीजी महापूजा का भव्य आयोजन सम्पन्न

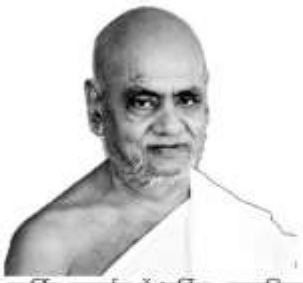

उदयपुर, (स. सं),

श्री अवन्ति पार्श्वनाथ की पावन पवित्र नगरी उज्जैन में प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ उज्जैन के तत्वावधान में चल रहे स्वर्णिम चातुर्मास में धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम अनवरत आयोजित हो रहे हैं।

पूज्य गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में कार्तिक शुक्ला एकम दिनांक 8-11-2018 पड़वाह के दिन दोपहर 12.39 बजे 108 जोड़ों के साथ अनन्तलब्धिनिधाय गणधर श्री गौतमस्वामीजी की महापूजन का भव्यातिभव्य आयोजन किया गया।

गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरिजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में पुण्य-सम्राट प्रवचन मण्डप में संगीत की मधुर स्वर लहरियों के साथ 108 जोड़ों द्वारा विधि विधान के साथ महापूजन किया गया। महापूजन का लाभ 5 विशिष्ट लाभार्थी परिवारों के साथ 108 जोड़ों ने लिया। इस अभिनव प्रसंग पर उज्जैन नगर के अलावा आसपास के नगरों के गुरुभक्त भी उपस्थित थे।

108 जोड़ों ने महापूजन के समय सभी को 5 इंच की श्री गौतमस्वामीजी की प्रतिमा, एक लब्धि कलश, एक लब्धि यन्त्र प्रदान किया गया और सभी जोड़ों ने अपने समक्ष रखकर पूजन सानन्द सम्पन्न किया।

गच्छाधिपतिश्री के दर्शन-वन्दन करने श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है।

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में पुजारियों का सम्मान

उदयपुर, (स. सं),

उज्जैन नगर में चातुर्मासार्थ विराजमान प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राटश्री के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ उज्जैन के तत्वावधान में उज्जैन नगर के समस्त श्वेताम्बर, दिगम्बर जैन मन्दिरों के सभी पुजारियों को आमन्त्रित कर सामूहिक बहुमान किया गया।

गच्छाधिपतिश्री सभी पुजारियों को बहुमान के बाद आशीर्वाद प्रदान करते

सभी पुजारियों को श्रीसंघ की ओर से तिलक, माला, श्रीफल, शाल एवं पूजा के वस्त्र देकर बहुमानपूर्वक सम्मानित किया। उज्जैन में प्रथम बार सामूहिक रूप से मन्दिरों में विराजित प्रभु की सेवा करने वाले सभी पुजारियों का सम्मान किया गया। सभी पुजारियों ने गच्छाधिपतिश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द को वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये।
घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

पाटण में पुण्य सप्तमी आयोजित

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. एवं श्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. की निश्रा में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की 19वीं पुण्य तिथि पर आयोजन किया गया।

इस प्रसंग पर त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण की ओर से पाटण तीर्थ के मूलनायक श्री पंचासरा पार्श्वनाथ भगवान की भव्यातिभव्य रत्नजड़ित अंगरचना की गई जिसका लाभ थराद निवासी वोहेरा श्रीमती मन्जूलाबेन बाबूलालजी परिवार ने लिया। पुण्य सप्तमी के पावन प्रसंग पर पाटण नगर में अविस्मरणीय चैत्यपरिपाटी के अनुमोदनार्थ अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् शाखा थराद द्वारा पाटण नगर के जैन समाज के सभी घरों में संघ प्रभावना के रूप में साकर (मिश्री) की प्रभावना वितरीत की गई।

परम गुरुभक्त श्री जे. के. संघवीजी द्वारा श्रीसंघों से क्षमायाचना

उदयपुर (स.सं.)

वर्तमान में तप-त्याग-समर्पण, समाज सेवा एवं गुरुभक्ति का सजीव उदाहरण दिया जाय तो भक्ति और शक्ति की धर्मधरा राजस्थान के आहोर नगरी की माटी में अवतरण लेने वाले अहिंसा परमोऽधर्मः के पथ पर अग्रसर होकर जिनवचनों का नियम से पालन करने वाले, बारह व्रतधारी, तपस्वीरत्न, विनय और सौम्यता की प्रतिमूर्ति का नाम है समाजरत्न, धर्मनिष्ठ श्री जे. के. संघवीजी।

सुश्रावकरत्न श्री जे. के. संघवीजी अभी सम्पूर्ण भारत के ग्राम-नगरों में जहाँ-जहाँ पहुँच सकते हैं वहाँ जाकर अपने जीवन में जानते-अजानते हुई भूलों से किसी के भी मन को दुःख हुआ या अविनय हुई हो तो श्रीसंघों से और व्यक्तिशः मिलकर क्षमायाचना के भाव प्रकट कर रहे हैं। आपके साथ में आपकी जीवन संगिनी श्रीमती विमलादेवीजी संघवी भी अपने पतिधर्म का निर्वहन करते हुए श्री संघवीजी द्वारा प्रदर्शित मार्ग पर चलते हुए तप-त्याग, साधना-आराधना आदि समस्त धार्मिक क्रियाओं में अग्रणी है।

धन्य है ऐसे कुल एवं नरश्रेष्ठ को जिनकी दिनचर्या में सदैव एकासन, बियासन व्रत, नियमित पूजन, दोनों समय प्रतिक्रमण स्वयं भी करना और अन्य को भी प्रेरित करते रहते हैं। सामायिक की महिमा निष्पादित करते हुए सभी को बताते है कि जीवन में प्रतिदिन एक सामायिक तो आवश्यक रूप से करना चाहिये। धर्मरूपी श्रेष्ठ आलम्बन लेने वाले उत्तम पुरुष मोह-माया-ममता से परे रहकर ही सच्ची साधना-आराधना कर सकते हैं और इन्हीं सब उच्च भावों के साथ श्री संघवीजी सजोड़े दक्षिण भारत, राजस्थान, मालवा के विभिन्न नगरों में गए हैं और जा रहे हैं।

समाज की ऐसी विरल विभूति के इस कार्य की यतीन्द्र वाणी परिवार हृदय से अनुमोदना करते हुए अभिनन्दन करता है तथा आत्मीय भावों से क्षमायाचना करता है साथ ही दादा गुरुदेवश्री से अभ्यर्थना करता है कि आपको धर्म साधना-आराधना करने की भक्ति एवं शक्ति प्रदान करें तथा आत्मकल्याण की राह निर्विघ्न प्रशस्त करें।

साध्वीश्री के पालक सम्मेलन में प्रवचन

उदयपुर (स.सं.)

अलिराजपुर में चातुर्मासार्थ विराजित राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी एवं मातृहृदया साध्वीश्री कोमललताश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री शासनलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-4 की निश्रा में अनेक धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रम हो रहे है।

सरस्वती शिशु मन्दिर अलिराजपुर में आयोजित पालक सम्मेलन में पू. साध्वीश्रीजी ने उपस्थित छात्रों एवं पालकों को विशेष प्रवचन प्रदान किया। छात्रों के प्रति अध्यापकों एवं अभिभावकों के क्या कर्त्तव्य हैं और छात्रों का इनके प्रति क्या कर्त्तव्य है सारगर्भित शब्दों में सभी को बताया। स्मरण रहे पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की अलिराजपुर से कई स्मृतियाँ जुड़ी हैं तथा विद्यालय के विकास हेतु गुरुदेवश्री ने प्रेरित कर सहयोग प्रदान करवाया था।

गुरुभक्तों का दर्शन-वन्दन हेतु आगमन हो रहा है।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

विरति की ओर चले-5 पुस्तक विमोचन

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी एवं साध्वीश्री स्वयंप्रभाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री काव्यरत्नाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में थीरपुर (थराद) में 'विरति की ओर चले-5' का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर थराद श्रीसंघ के प्रमुख एवं अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे। साध्वीजी निश्रा में चातुर्मास में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं।

मदुराई में निःशुल्क चिकित्सा कैम्प

उदयपुर (स.सं.)

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् शाखा मदुराई द्वारा निःशुल्क चिकित्सा कैम्प लगाया गया। जिसमें रोगियों के कई प्रकार के टेस्ट निःशुल्क किए गए। कई व्यक्तियों को परिषद् के माध्यम से निःशुल्क सेवा प्राप्त हुई।

कुशल चिकित्सकों द्वारा रोगियों की उचित जाँच करते हुए परामर्श प्रदान किया। महिला परिषद् की ओर से सभी चिकित्सकों एवं अतिथियों का आभार प्रकट किया गया।

देश भर में तरुण दीपोत्सव पर्व मनाया

उदयपुर (स.सं.)

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन तरुण परिषद् के आह्वान पर देश भर में व्याख्यान-वाचस्पति-पीताम्बर विजेता समर्थाचार्य श्रीमद्विजय यतीन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के 135 वें अवतरण दिवस के शुभावसर एवं श्री महावीर निर्वाणोत्सव दीपमालिका के उपलक्ष्य में तरुण दीपोत्सव मनाया गया।

दीपोत्सव में गरीब बस्तियों एवं झुग्गी-झोंपड़ियों में जाकर उनके परिवारों को वस्त्र, मिष्ठान्न के पैकेट, गेहूँ का आटा एवं मिट्टी के दीपक वितरीत किए गए। कई स्थानों पर गौशाला में जाकर पशुओं को चारा, गुड़ खिलाया गया। करुणा के अवतार का निर्वाण दिवस एवं गुरु के अवतरण दिवस पर दीन-हीन जन को भी पर्व को उल्लास एवं उमंग से मनाने हेतु अनुमोदनीय कार्य किया।

मैसूर में स्वस्थ एवं स्वच्छ अभियान

उदयपुर (स.सं.)

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् मैसूर ने स्वस्थ-स्वच्छ अभियान के अन्तर्गत जो व्यक्ति सड़क एवं शहर में झाड़ू लगाते हैं उन 500 व्यक्तियों के साथ दीपावली मनाई। परिषद् सदस्य घर-घर से खाजा, पूड़ी, मिठाई, नमकीन, ड्रायफ्रुट, फल, कपड़े आदि लेकर आए और उन सभी को वितरीत किए। सभी व्यक्तियों के चेहरे पर प्रसन्नता की लहर छा गई। हम सभी दीपावली पर अपनों को बहुत कुछ खिलाते हैं, परन्तु इन व्यक्तियों के लिए प्रायः कुछ नहीं करते हैं। ये व्यक्ति हमारे देश में सभी स्थानों पर गन्दगी को साफ करते हैं तथा गन्दगी से उत्पन्न रोगों से हमारी रक्षा करते हैं। देश में चल रहे स्वस्थ एवं स्वच्छ अभियान के लिए इनका सहयोग अधिक है। परिषद् को यतीन्द्र वाणी परिवार की बधाई।

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

* रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक *

http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur | bhandavpur@gmail.com

+91-7340009222 | www.bhandavpur.com

पेढ़ी +91-7340019702-3-4

136 वें अवतरण दिवस पर प्रियदर्शी-भावांजलि

इन्द्रियजीत

(मनहरण-कवित्त)

धवलपुर में जाया, रामरत्न है कहाया,
पिता ब्रजलाल पाया, पुत्र भाग्यवान है।
जायस्वाल गौत्र धारी, गुरु बाल ब्रह्मचारी,
धन्य चम्पाबाई प्यारी, पाया रत्नवान है।
खाचरोद पाई दीक्षा, योग्य गुरु योग्य शिक्षा,
राजेन्द्र सूरिजी गुरु, दिया ज्ञान दान है।
यतीन्द्रविजय बन, किया शास्त्रों का पठन,
इन्द्रियजीत कहाये, गूँजा यश गान है ।।1।।

विश्वपूज्य अभिधान राजेन्द्र कोष को आप,
प्रकाशित करा गुरु, वचन निभाया है।
परिषद् की स्थापना, आपके ही द्वारा हुई,
अनुपम संगठन, गुरु ने बनाया है।
थे व्याख्यान वाचस्पति, शिष्य कई सन्त-सती,
विशाल गच्छाधिपति, गुरुजी कहाया है।
गुरु किये कई काम, कितने गिनाएँ नाम,
राजेन्द्रसूरि का संघ, आपने दिपाया है ।।2।।

जावरा में उपाध्याय, पदवी गुरुजी पाय,
आचार्य पदवी गुरु, आहोर में पाये हैं।
संघ के बने दुलारे, चौथा पट्ट गुरु धारे,
पीताम्बर विजेता गुरुवर कहाये हैं।
भविष्यदृष्टा थे गुरु, अन्तरदृष्टा थे गुरु,
तीन थुई समाज ने, ज्ञानी गुरु पाये हैं।
कुन्दन से गुरु खरे, पल में ही पीर हरे,
'प्रियदर्शी' भाव भरे, सुमन चढ़ाये हैं ।।3।।

गुरुचरणोपासक- कुलदीप 'प्रियदर्शी', उदयपुर

पधारिये ! पधारिये !! पधारिये !!!

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार झरडाजी (डोरडा) मध्ये

श्रेष्ठिवर्यश्री रमेशकुमारजी कोलचन्दजी बाफना (भीनमाल)

की पुण्य-स्मृति में नूतन निर्मित

साँचाश्री सुमतिनाथ जिन मन्दिर

प्रतिष्ठा मुहूर्त्त ग्रहणोत्सव प्रसंगे

श्री भाण्डवपुर तीर्थ में पधारने हेतु

भाव भरा आमन्त्रण

शुभ दिन- कार्तिक शुक्ला 12 मंगलवार 20-11-2018

* दिव्यकृपा *

प. पू. पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जबन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा.

प. पू. कृपासिन्धु योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.

* आशीर्वाद *

प. पू. सरलमना, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

* मुहूर्तप्रदाता *

प. पू. सूरिमन्त्राराधक, शासनप्रभावक, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक

आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

आप सभी सपरिवार अवश्य पधारिये।

* आयोजक-आमन्त्रक *

श्री राजेन्द्र-शान्ति जैनोदय ट्रस्ट (अहमदाबाद) जीरावलाजी तीर्थ

श्रीमती मन्जूदेवी रमेशकुमारजी कोलचन्दजी बाफना, भीनमाल (राज.)

॥ तीर्थाधिपतिश्री महावीरस्वामीने नमः ॥
॥ प्रभुश्री राजेन्द्रसूरीश्वर गुरुभ्यो नमः ॥

अतिप्राचीन श्री माण्डवपुर महातीर्थ
श्री कार्तिक पूनम पर्व प्रसंगे

भाव भरा आमन्त्रण

कार्तिक पूनम, शुक्रवार 23-11-2018

❊ दिव्यकृपा ❊
प. पू. पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा.
प. पू. कृपासिन्धु योगिराज, संघमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.

❊ आशीर्वाद ❊
प. पू. सरलमना, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

❊ पावन निश्रा ❊
प. पू. सूरिमन्त्राराधक, प्रवचनकार , माण्डवपुर तीर्थोद्धारक
आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.
आदि ठाणा एवं
विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमणिवृन्द

मांगलिक कार्यक्रम

प्रातः 7.45 से	-	प्रभुपूजा, प्रक्षाल एवं श्री शत्रुंजय पट्ट दर्शन
प्रातः 8 से 9.45	-	अल्पाहार (नास्ता)
प्रातः 10 से 11.30	-	प्रवचन एवं आरती के चढ़ावे
प्रातः 11.30 से	-	नवकारसी (भोजन प्रारम्भ)
दोपहर 2 से 4	-	श्री सिद्धाचल नव्वाणुप्रकारी पूजा
सायं 4.45 से	-	स्वामीवात्सल्य (भोजन)
सायं 6.30 से	-	प्रभु-भक्ति एवं आरती

आप सभी सपरिवार अवश्य पधारिये ।

चातुर्मास लाभार्थी- श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल, पादरू (राज.)

❊ आयोजक-आमन्त्रक ❊
श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट)
श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ)
श्री माण्डवपुर तीर्थ-343 023, जिला- जालोर (राज.)

प. पू. सूरिमन्त्राराधक, प्रवचनकार , माण्डवपुर तीर्थोद्धारक
आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.
सम्भावित विहार कार्यक्रम

उदयपुर (स. सं.)

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. का कार्तिक पूर्णिमा के पश्चात् सम्भावित विहार कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा ।

दिनांक 23-11-2018 - कार्तिक पूनम रात्रि विश्राम-पाँथेड़ी
श्री रणसुख जयन्तसेन कृपा वाटिका

दिनांक 24-11-2018 - 72 जिनालय तीर्थ-भीनमाल

रात्रि विश्राम - श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार-झरडाजी-डोरडा
प्रतिष्ठोत्सव की तैयारी हेतु कार्य समीक्षा

दिनांक 25-11-2018 - थूर-रामसीन होकर माण्डोली

रात्रि विश्राम - श्री गौड़ी पार्श्वनाथ-राजेन्द्रसूरि मातुश्री धाम-आकोली

दिनांक 26-11-2018 - श्री सियाणा नगर में मंगल प्रवेश

दिनांक 27-28 को श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठोत्सव की जाजम तथा कार्य समीक्षा हेतु स्थिरता रहेगी ।

दिनांक 29-11-2018 - तालनपुर (कुक्षी) प्रतिष्ठोत्सव हेतु विहार
वाया- आबू रोड़, अम्बाजी, हिम्मतनगर, दाहोद आदि

दिनांक 8-12-2018 - तक कुक्षी-तालनपुर पहुँचने की सम्भावना है ।

❊ आवश्यक जानकारी हेतु सम्पर्क सूत्र ❊
सेवाभावी श्री धर्मेन्द्रभाई 9589065208

श्री वीर निर्वाणोत्सव, श्री गौतमस्वामीजी के कैवल्य प्राप्ति एवं दीपमालिका पर्व एवं नूतन वर्षाभिनन्दन के पावन प्रसंग पर यतीन्द्र वाणी परिवार की ओर से सभी पाठकों को मंगलकामनाएँ

योगी-वाणी

मनुष्य को उपकार सदा बहते पानी की तरह करना चाहिये, जिससे बुराई स्वतः ही कचरे की भाँति किनारे लग जाएगी ।

किए हुए उपकार को सार्वजनिक करने से उसका प्रतिफल नष्ट हो जाता है ।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने वहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें ।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डोंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है ।
चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें ।

❊ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं । ❊ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित